प्राणीशास्त्र विभाग

वार्षिक प्रतिवेदन 2023-24

1. **स्थापना वर्ष :-** स्नातक 1957, स्नातकोत्तर 1982.
2. **विशेषता क्षेत्र :-** स्नातक, स्नातकोत्तर प्राणीशास्त्र , स्नातक औधोगिक मत्स्य एवं माfत्स्यकी ।
3. **संचालित विषय :-** स्नातक, स्नातकोत्तर प्राणीशास्त्र , स्नातक औधोगिक मत्स्य एवं माfत्स्यकी स्तर पर विषय का अध्यापन किया जाता है ।
4. **विभिन्न विषयों में आबंटित छात्र संख्या :-**

कक्षा / विषय	आबंटित छात्र	प्राप्त आवेदन	प्रवेशित छात्र
बी.एस.सी (FYUGP) प्राणीशास्त्र	440	1958	369
बी.एस.सी 3 प्राणीशास्त्र	440	287	287
बीएससी 3 IFF	40	23	23
एम.एस.सी. पूर्व प्राणीशास्त्र	40	395	40
एम.एस.सी.अंतिम प्राणीशास्त्र	30	29	29

5.स्वीकृत पद की संख्या :- 01 प्राध्यापक एवं 06 सहायक प्राध्यापक

6. **कार्यरत शिक्षक की संख्या :-** 07 ,06 नियमित 01 अतिथि सहायक प्राध्यापक

पद	संख्या	शिक्षक का नाम	वर्ग
सहायक प्राध्यापक	06	1. डॉ. किरण लता दामले	अनु.जाति
		2. डॉ. संजय ठिसके	सामान्य
		3. डॉ. माज़िद अली	सामान्य
		4. गुरप्रीत सिंह भाटिया	सामान्य
		5. चिरंजीव पाण्डेय	सामान्य
		6. करुणा रावटे	अनु. जनजाति
अतिथि प्राध्यापक	01	1. महेश कुमार	अनु.जाति

पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

अध्ययन मंडल की बैठक (BOS) दिनांक 17/05/2023 को आयोजित की गई जिनमें निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा की गई:

- प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के प्राणीशास्त्र के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को गत वर्ष के अनुसार यथावत रखा गया।
- स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर का पाठ्यक्रम भी गत वर्ष के अनुसार यथावत रखा गया।

- स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय के अनुरूप इलेक्टिव A और इलेक्टिव B में बदलाव किए गए।
- स्नातक प्राणीशास्त्र एवं मत्स्य एवं मात्स्यिकी का पाठ्यक्रम UGC (LOCF/CBCS) NEP 2020 को आधार मानते हुए तैयार किया गया। गत वर्ष के पाठ्यक्रम में आंशिक संशोधन किए गए।

  - डॉ सीमा गुप्ता – शासकीय नागार्जुन विज्ञान महाविद्यालय रायपुर
  - डॉ अजीत हुंडैत – शासकीय डीबी गर्ल्स कॉलेज रायपुर
  - डॉ एस आर कन्नौजे – शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनंदगांव
  - श्री संदीप साहू – शासकीय नवीन महाविद्यालय सुकमा
  - श्री आकाश देवांगन – भूतपूर्व छात्र
  - समस्त विभागीय प्राध्यापक

- **मासिक शैक्षणिक योजना :-** प्राणीशास्त्र विभाग के प्राध्यापकों के द्वारा स्वयं की दैनंदिनी में वार्षिक एवं मासिक शैक्षणिक योजना तैयार की जाती है।
- **फीडबैक छात्र छात्राएं :-** विभाग द्वारा स्नातक व स्नातकोत्तर के छात्र छात्राओं से ऑफलाइन एवं गूगल फॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन फीडबैक भी लिया जाता है।
- **शिक्षण पद्वति :-** इंटरैक्टिव पैनल, एल.सी.डी. प्रोजेक्टर, ओव्हरहेड प्रोजेक्टर, कम्प्युटर एवं इन्टरनेट के माध्यम से भी कक्षाए संचालित की जाती है।

- **प्रतियोगी परीक्षाओ हेतु मार्गदर्शन :-** स्नातकोत्तर के छात्र छात्राओं को नेट /सेट तथा पी.एस.सी. की कोचिंग व विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए समय –समय पर रोजगार मार्गदर्शन हेतु व्याख्यान व् कार्यशाला का आयोजन भी किया जाता है।

1. प्राणीशास्त्र विद्यार्थी परिषद् का गठन :-

प्राणीशास्त्र परिषद् का गठन दिनांक 05.09.2023 को गुणानुक्रम के आधार पर किया गया। प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर द्वारा नव –मनोनित पदाधिकारियों को शपथ दिलाया एवं अनुशाशित रहते हुए सर्वोत्तम प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित किया। छात्र परिषद का मुख्य कार्य विभागीय गतिविधि में सहयोग देना और विषय से संबधित विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन करना।

मनोनित पदाधिकारी:

अध्यक्ष – कुमारी चंचल साहू

उपाध्यक्ष – कुसुमन .

सचिव – कु छबि

सह सचिव – खिलेंद्र कुमार आल्हा

को नियुक्त किया गया। छात्र परिषद का मुख्य कार्य विभागीय गतिविधि में सहयोग देना और विषय से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करना।

स्नातकोत्तर परिषद्: प्राणीशास्त्र परिषद् का गठन

2. शिक्षक अविभावक बैठक : दिनांक 20 जनवरी 2024 को प्राणीशास्त्र विभाग में शिक्षक – अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें 20 से अधिक अभिभावकों ने अपनी उपस्थिति दी।विभागाध्यक्ष डॉ किरण लता दामले ने अभिभावकों को विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी और उसमे छात्रों की सहभागिता के महत्व को बताया। तत्पश्चात विभाग के प्रयोगशाला एवं म्यूजियम समेत स्नातकोत्तर की कक्षाओं का भ्रमण भी अभिभावकों को कराया गया। प्राचार्य डॉ . के. एल. टांडेकर ने अभिभावकों से फीडबैक एवं सुझाव भी प्राप्त हुए जिन्हें अमल में लाने की भी सहमति बनी।

शिक्षक-अविभावक बैठक

3. MOU के तहत अतिथि व्याख्यान माला :

- **"स्कोप एवं डाइमेंशन इन जूलॉजी " विषय पर अतिथि व्याख्यान :** दिनांक 27 सितंबर 2023 को डॉक्टर शिखा श्रीवास्तव सहायक प्राध्यापक इंदिरा गांधी गवर्नमेंट पीजी कॉलेज वैशाली नगर भिलाई छत्तीसगढ़ द्वारा "स्कोप एवं डाइमेंशन इन जूलॉजी " विषय पर विशेष व्याख्यान दिया गया। उन्होंने वर्तमान परिपेक्ष में प्राणी शास्त्र विषय के विभिन्न इसको और उसके डायमेंशन के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से समझाया। तत्पश्चात उन्हें विभाग अध्यक्ष डॉक्टर किरण लता दामले द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उक्त व्याख्यान में स्नातकोत्तर पूर्व एवं अंतिम के सभी विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

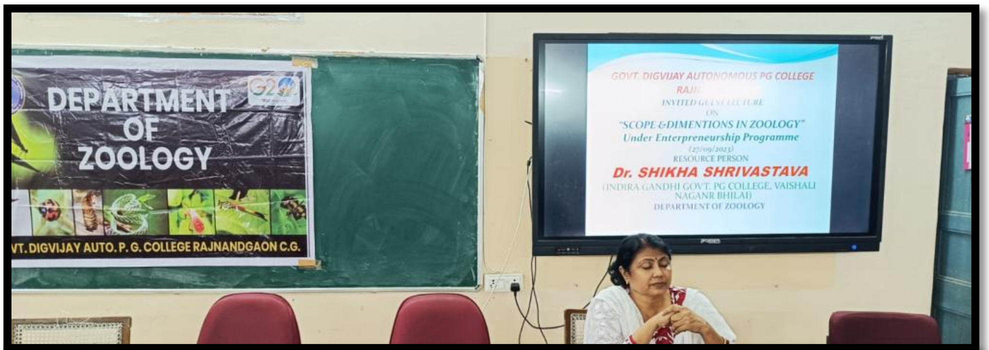

डॉक्टर शिखा

श्रीवास्तव द्वारा व्याख्यान

- **पर्यावरण प्रदुषण एवं स्वास्थ्य विषय पर अतिथि व्याख्यान :** दिनांक 7 दिसंबर 2023 को विशेष आमंत्रित अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ पी आर चंदेलकर प्राचार्य , शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट मध्य प्रदेश को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान ने बताया कि जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण पर्यावरण से छेड़छाड़ और मानव जनित प्रदूषण मुख्य कारण है क्योंकि प्रकृति जनित प्रदूषण प्रकृति स्वयंवर नियंत्रित कर लेती है लेकिन वर्तमान समय में मानव जनित प्रदूषण चाहे वह वाहनों से हो, पेट्रोलियम से हो , उद्योगों से हो या घरेलू प्रदूषण पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है वर्तमान समय में किसानों द्वारा जलाए जाने वाली परली भी वायु प्रदूषण को काफी हद तक बढ़ा रहा है। 21वीं शदी में जीव अपने अस्तित्व के लिए संघर्षरतरत हैं जिसका कारण बहुत हद तक कारण मानव ही है। और जीवों के अस्तित्व से ही मानव का अस्तित्व जुड़ा हुआ है मानव अस्तित्व को अगर बचाना है तो हमें पर्यावरण को बचाना होगा। वनो का संकुचित होता क्षेत्रफल भी चिंता का विषय है।

डॉ पी आर चंदेलकर द्वारा अतिथि व्याख्यान

- **प्रो. रेणुका ठाकुर द्वारा बेस्टफ्रॉम वेस्ट विषय पर अतिथि व्याख्यान :** दिनांक 08 दिसंबर 2023 को विशेष आमंत्रित अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप प्रो . रेणुका ठाकुर, शासकीय बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। व्याख्यान पूर्व मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान ने बताया कि वर्तमान समय में बाजारों में मिलने वाली सभी वस्तुओं की पैकिंग कागज गेट लकड़ी प्लास्टिक अथवा मेटल से होती है उपयोग से पहले हम उनकी पैकेजिंग को या उनके बन को उपयोग के बाद निकाल कर फेंक देते हैं जो रीसायकल ना होने की वजह से कचरा बढ़ाते हैं ऐसे कचरो का हम पुनः उपयोग करके हम पर्यावरण प्रदूषण को बहुत हद तक नियंत्रित कर सकते हैं महाविद्यालय में स्तर पर हमारे यहां विद्यार्थियों द्वारा अनुपयोगी वस्तुओं से प्रायोगिक कार्य में उपयोग होने वाली सामग्रियां, गाड़ी के पुराने टायर एवं प्लास्टिक बोतलों से गमले आदि का निर्माण किया जा रहा है। पुराने कपड़ों से पैरदान आदि बनाकर अनुपयोगी वस्तुओं

को पुनः उपयोग में लाया जा रहा है ऐसा करके हम समाज को भी वस्तुओं के पुनः उपयोग की प्रेरणा दे सकते हैं और जिनवासियों को हम उठाकर कबाड़ में फेंक देते हैं उनसे भी बहुत से उपयोगी चीज बना सकते हैं।

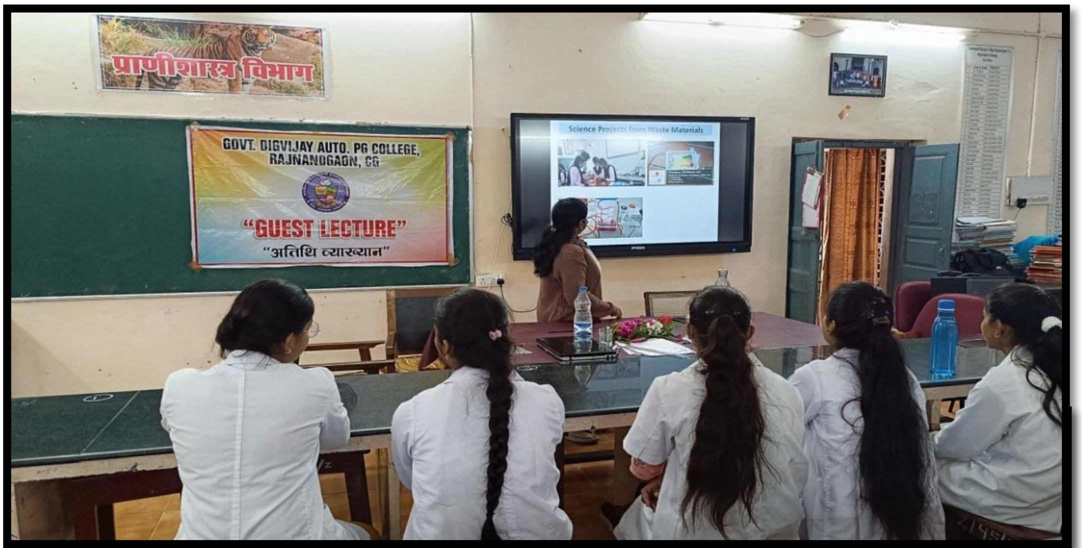

प्रो. रेणुका ठाकुर द्वारा व्याख्यान

- **NET/SET की तैयारी और कैरियर गाइडेंस पर विशेष व्याख्यान :** दिनांक 11 दिसंबर 2023 को NET/SET की तैयारी और कैरियर गाइडेंस पर विशेष विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ यासर कुरैशी सहायक प्राध्यापक प्राणीशास्त्र एवं प्रभारी प्राचार्य शासकीय नवीन महाविद्यालय खेरता बाजार जिला बालोद को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। डॉ यासर ने अपने व्याख्यान मे बताया कि स्नातकोत्तर उपरांत लाइफ साइन्स के विद्यार्थी के पास NET/SET की परीक्षा की तैयारी का अवसर होता है। NET/SET का पाठ्यक्रम एक जैसे होता है जिसकी 13 यूनिट मे से किसी 09 यूनिट कि अगर अच्छे से तैयारी की जाए तो प्रथम प्रयास में भी परीक्षा उत्तीर्ण की जा सकती है। अपने स्नातकोत्तर के विषय से संबंधित नो इकाइयों का चयन कर आधारभूत अध्ययन एवं पूर्व वर्षों के प्रश्न पत्र को सॉल्व करने से अच्छे नतीजे प्राप्त होते हैं। अप्टिट्यूड टेस्ट के प्रथम पेपर की तैयारी अलग से करनी होती है। इस तैयारी का लाभ आपको अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे PSC/UPSC/VYPAM आदि की विषय आधारित परीक्षाओं में भी मिलता है। आपके मुख्य विषय में आपके पकड़ अच्छी है तो PSC के मेंस के लिए भी अपने स्नातकोत्तर के विषय का चयन कर सकते हैं जिसका लाभ आपको साक्षात्कार में भी प्राप्त होगा। किसी भी प्रकार के प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को सतत परिश्रम के साथ धैर्य भी रखना होता है। क्योंकि किसी भी परीक्षा मे सफल होने के लिए आपको अपना ध्यान केंद्रित रखना होता है।

डॉ यासर कुरैशी सहायक प्राध्यापक द्वारा NET/SET की तैयारी पर व्याख्यान

- **डॉ उषा साहू द्वारा प्राणीशास्त्र विषय में रोजगार की संभावना विषय पर अतिथि व्याख्यान:** दिनांक 14 दिसंबर 2023 को मु के तहत डॉक्टर उषा साहू सहायक प्राध्यापक शासकीय शिवनाथ यादव तमस्कर सुस्वासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग छत्तीसगढ़ द्वारा प्राणी शास्त्र विषय में रोजगार की संभावनाएं विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया गया। उन्होंने अपनी व्याख्यान में बताया कि प्राणीशास्त्र विषय मे स्नातकोत्तर करने के बाद आप राजकीय प्रशासनिक सेवाओं की अतिरिक्त सहायक प्राध्यापक एवं छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल से निकलने वाले विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं द्वारा चयनित होकर शासन प्रशासन में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अप्लाइड जूलॉजी का अध्ययन करके आप भविष्य में विभिन्न प्रकार के उद्योगों से जुड़कर स्वरोजगार भी प्राप्त कर सकते हैं।

- **NMR& SER विषय पर विशेष अतिथि व्याख्यान :** दिनांक 15 दिसंबर 2023 को NMR & SER विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ शोएब अहमद सहायक प्राध्यापक प्राणी शास्त्र शासकीय पाटनकर महिला महाविद्यालय जिला दुर्ग को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। (.ग.छ) व्याख्यान पूर्व मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।डॉ शोएब अहमद ने अपने व्याख्यान परमाणु चुम्बकीय अनुनाद)NMR) स्पेक्ट्रोस्कोपी औषधीय और अन्य रासायनिक अणुओं के संरचनात्मक स्वरूप का अवलोकन करने की एक महत्त्वपूर्ण तकनीक है। यह तरल व ठोस पदार्थों में परमाणुओं के प्रकार , मात्रा तथा गठन के बारे में विश्लेषणात्मक डेटा प्रदान करती है। इसे सर्वप्रथम एक भौतिक परिघटना के रूप में पहचाना गया था।इस परीक्षण के लिये नमूने को एक चुम्बकीय क्षेत्र में रखकर उस पर एन सिग्नल उत्पन्न किया जाता है। इसके लिये नमूने .आर.एम. पर रेडियो तरंगों का प्रयोग किया जाता है, जिससे एंड्रिक चुम्बकीय प्रतिध्वनि उत्पन्न होती है। प्रत्येक यौगिक के स्वयं के अनूठे और स्वतंत्र लक्षण होते हैं। आधुनिक कार्बनिक रसायन से सम्बंधित अध्ययनों में एन परीक्षण .आर.एम. अत्यंत सटीक है, इस परीक्षण से किसी वायरस के जैव यौगिकों को पहचानना सम्भव है।एन का प्रयोग .आर.एम. पॉलिमर विश्लेषण, पैकेजिंग, फार्मास्यूटिकल आदि क्षेत्रों में और ठोस तरल अनुपात-, हाइड्रोजन सामग्री , हाइड्रोफाइल लिपोफाइल बैलेंस इत्यादि का परीक्षण करने में किया जाता है।हाल ही में-, विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र)CSE) द्वारा एन तकनीक के माध्यम कराए गए शहद के शुद्धता परीक्षण में.आर.एम.13 में से 10 ब्रांड विफल रहे हैं। इस तकनीक से शहद में शुगर सीरप की मिलावट का पता लगाया जाता है , जो किसी अन्य तकनीक द्वारा सम्भव नहीं है। भारतीय कानून के अनुसार निर्यात किये जाने वाले शहद के लिये यह परीक्षण अनिवार्य है।व्याख्यान उपरांत विभागाध्यक्ष द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर मुख्य अतिथि को सम्मानित किया गया।

डॉ शोएब अहमद द्वारा अतिथि व्याख्यान

- **उद्यमिता विकास के अवसर विषय पर विशेष व्याख्यान:** दिनांक 16 दिसंबर 2023 को प्राणी शास्त्र विषय में उद्यमिता विकास के अवसर विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ से कन्नौज सहायक प्राध्यापक शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय जिला राजनांदगांव (छ.ग.) को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। व्याख्यान पूर्व मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।डॉ से कन्नौज ने अपने व्याख्यान बताया किबीएससी जूलॉजी में जानवरों की स्टडी कराई जाती है, जिसमें उनका व्यवहार, संरचना, जीव विज्ञान, जीवन शैली शामिल है। बीएससी जूलॉजी के बाद आप जैव प्रौद्योगिकी , फार्मा प्रबंधन, डेयरी प्रबंधन, नैदानिक अनुसंधान जैसे विषय में मास्टर डिग्री भी कर सकते हैं।बीएससी जूलॉजी एक 3 साल का अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम है जो बायोलॉजिकल ओशनोग्राफी , कॉम्पिटिटिव फिजियोलॉजी, इकोलॉजी, डेवलपमेंटल एंड सेल बायोलॉजी , वर्टेब्रेट एंड इनवर्टेब्रेट जूलॉजी , पैरासिटोलॉजी आदि के क्षेत्र में उन्नत अध्ययन और अनुसंधान को शामिल करता है। फिजियोलॉजी से लेकर बायोमैकेनिक्स और सिस्टमेटिक तक। क्रांति , इसमें जैव रासायनिक आनुवंशिकी , जैविक नियंत्रण और अनुसंधान के अन्य विशेष क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न विषयों का अध्ययन शामिल है। पाठ्यक्रम में आकृति विज्ञान, भ्रूणविज्ञान, इम्यूनोलॉजी, पारिस्थितिकी और विभिन्न अन्य पाठ्यक्रमों का अध्ययन शामिल है जो आपकी डिग्री की अवधि में बनते हैं। आपको कई क्षेत्रों में आगे की संभावनाओं के लिए तैयार करने के लिए , पाठ्यक्रम आपको नियमित व्यावहारिक सत्र, सिद्धांत-आधारित पेपर और नियमित बाहरी दौरों में शामिल करता है ताकि छात्रों को बाहरी दुनिया को जीतने के लिए व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में मदद मिल सके। M.Sc. Zoology के बाद आप शोधकर्ता, शिक्षक, प्रोफेसर, प्राणी विज्ञानी, चिड़ियाघर पशु कल्याण के रूप में काम कर सकते हैं। M.Sc. Life Science के बाद आप फार्मास्युटिकल उद्योग, प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी, आनुवंशिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नौकरी कर सकते हैं। व्याख्यान उपरांत विभागाध्यक्ष द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर मुख्य अतिथि को सम्मानित किया गया।

डॉ एस. आर. कन्नौजे द्वारा उद्यमिता विकास के अवसर विषय पर व्याख्यान

विभागीय गतिविधियाँ :

1. **पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम** : दिनांक 19.07.23 को प्राणिशास्त्र विभाग में श्री विजय भास्कर पर्यावरण संरक्षण के लिए साइकिल अभियान चला रहे साइकिल यात्री ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण जागरूकता अभियान के बारे में विस्तार से बताया । विभाध्यक्ष डॉ किरण लता दामले द्वारा उन्हें प्रसस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पर्यावरण संरक्षण के लिए साइकिल अभियान चला रहेश्री विजय भास्कर

2. **इंडक्शन प्रोग्राम** : दिनांक 25 जुलाई 2023 को इंडक्शन प्रोग्राम के माध्यम से विभाग में के प्रथम सेमेस्टर में नवप्रवेशित छात्र -छात्राओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत महाविद्यालय में चल रहे FYUGP/LOCF के पाठ्यक्रम के चयन , भविष्यक शिक्षक प्रणाली , क्रेडिट बेस्ड पाठ्यक्रम के बारे में विभाग के प्राध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी गई।

विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ किरण लता दामले

3. **विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर व्याख्यान :** दिनांक 28 जुलाई 2023 को विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर डॉ कन्नौजे शासकीय विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव विशेष अतिथि व्याख्याता के रूप में उपस्थित थे। डॉ के एल टांडेकर ने बताया कि प्रकृति संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है तेजी से घटते वन चिंता का विषय है दरकते पहाड़ हो या डूबते शहर है यह सब प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही नतीजा है भारत ही नहीं वैश्विक स्तर पर भी अतिवृष्टि के चलते कहीं जल प्रलय की स्थिति है तो कहीं पर सुखा है हमें प्रकृति को कुछ लौटाना भी है प्रकृति के रंग समेटने और सहेजने के प्रयास भी बहुत जरूरी है डॉ किरण लता दामले प्राणी विज्ञान विभागाध्यक्ष ने कहा कि प्रकृति को पालनकर्ता के रूप में चुनने वाली हमारी सांस्कृतिक मान्यताओं में हरियाली रोकने और धरती के रंग सहेजने का संदेश देते हैं प्रकृति को संरक्षित किए बिना मानव जीवन सुरक्षित नहीं है धरती के सिंगार पेड़ पौधे को जीने का अधिकार सभी को है वर्तमान में कई नदियों के रास्ते रोके जा रहे हैं तो कहीं पहाड़ों को काटने का काम भी हो रहा है वनों की कटाई के कारण कई जीव जंतुओं वनस्पतियां लुप्त हो रही है यह सब वृक्षों के लिए मुसीबत बन गए हैं हमारे यहां वृक्षों को देव स्वरूप मानकर पूजा जाता है यही समय की मांग है जिसे हम निरंतर जारी रखें और वृक्षों और वनों और प्राणियों को संरक्षित रखें संभाल कर रखें इस अवसर पर दुर्ग हेमचंद विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय डॉ अरुणा पलटा के द्वारा विभाग के तत्वाधान में आयोजित वृक्षारोपण के कार्यक्रम में पारिजात वृक्ष के का रोपण भी किया गया और उन्होंने भी प्रकृति को बचाने का एक महत्वपूर्ण संदेश छात्रों को दिया।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर डॉ एस आर कन्नोजे द्वारा व्याख्यान

दैनिक **भास्कर दूत** नज़र हर ख़बर पर

दिल में छत्तीसगढ़

web- www. bhaskardoot.com डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/68/2022-24

वर्ष-10 ◆ अंक - 221 रायपुर से प्रकाशित ◆ RNI-CHHHIN/2014/55697 ◆ रायपुर, गुरूवार 03 अगस्त 2023 ◆ पृष्ठ-8 ◆ मूल्य - 02 रुपये

वनों की कटाई के कारण लुप्त हो रहे वन्य जीव

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर अतिथि व्याख्यान

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा 28 जुलाई को विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन डॉ के एल टांडेकर प्राचार्य दिग्विजय कॉलेज के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर डॉ कन्नौजे शासकीय विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव विशेष अतिथि व्याख्याता के रूप में उपस्थित थे।

डॉ. टांडेकर ने बताया कि प्रकृति संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। तेजी से घटते वन चिंता का विषय है। दरकते पहाड़ हों या डूबते शहर, यह सब प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही नतीजा है। भारत ही नहीं वैश्विक स्तर पर भी अतिवृष्टि के चलते कहीं जल प्रलय की स्थिति है तो कहीं पर सूखा है। हमें प्रकृति को कुछ लौटाना भी है। प्रकृति के रंग समेटने और सहेजने के प्रयास भी बहुत जरूरी है। डॉ किरण लता दामले प्राणी विज्ञान विभागाध्यक्ष ने कहा कि प्रकृति को पालनकर्ता के रूप में चुनने वाली हमारी सांस्कृतिक मान्यताओं में हरियाली रोकने और धरती के रंग सहेजने का संदेश देते हैं। प्रकृति को संरक्षित किए बिना मानव जीवन सुरक्षित नहीं है। धरती के सिंगार पेड़ पौधे को जीने का अधिकार सभी को है। वर्तमान में कई नदियों के रास्ते रोके जा रहे हैं तो कहीं पहाड़ों को काटने का काम भी हो रहा है। वनों की कटाई के कारण कई जीव-जंतु और वनस्पति लुप्त हो रहे हैं। यह सब वृक्षों के लिए मुसीबत बन गए हैं। हमारे यहां वृक्षों को देव स्वरूप मानकर पूजा जाता है। यही समय की मांग है, जिसे हम निरंतर जारी रखें और वृक्षों और वनों और प्राणियों को संरक्षित रखें संभाल कर रखें। इस अवसर पर दुर्ग हेमचंद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुणा पलटा के द्वारा विभाग के तत्वावधान में आयोजित वृक्षारोपण के कार्यक्रम में पारिजात वृक्ष का रोपण भी किया गया और उन्होंने भी प्रकृति को बचाने का एक महत्वपूर्ण संदेश छात्रों को दिया।इस अवसर पर विभाग के डॉ संजय ठिसके, डॉ. माजिद अली, डॉ. गुरप्रीत सिंह भाटिया, प्रोफेसर चिरंजीव पाण्डेय, श्रीमति करुणा रावटे व महेश लाडेकर एवं विभाग के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

4. **वृक्षारोपण कार्यक्रम :** दिनांक 28.07.23 को प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के मार्गदर्शन एवं विभागाध्यक्ष डॉ किरण लता दामले के नेतृत्व में विभाग के समस्त प्राध्यापको एवं स्नातकोत्तर स्तर के समस्त विद्या थियों द्वारा सृजन संवाद परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

सृजन संवाद परिसर में वृक्षारोपण

डॉ अरुणा पलटा कुलपति हेमचंद यादव विवि दुर्ग द्वारा वृक्षारोपण

5. **उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम :** दिनांक 6 सितंबर 2023 को विभाग में रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में एक दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत एकदिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया इस व्याख्यान में एमएसएमई के अधिकारी जी के मोहंती और श्री सुधीर विशेष रूप से आमंत्रित थे। संस्था के प्राचार्य डॉक्टर के एल टांडेकर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए छात्रों को बताया कि वह इस प्रकार के स्किल्ड आधारित व्याख्यान कार्यशाला और कॉन्फ्रेंस होती है उसमें जरूर शामिल हो ताकि भविष्य में समान ग्रेजुएशन डिग्री के साथ-साथ उनके पास किसी तकनीकी विषय पर भी जानकारी डिग्री के साथ मिल सके ताकि तकनीकी संस्थानों या किसी अन्य दूसरे संस्थानों में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में कोई कठिनाई न काम कोई भी हो छोटा बड़ा नहीं होता हर काम का अपना अपना महत्व होता है इस बात को छात्र विशेष रूप से ध्यान रखें।

श्री ग मोहंती अधिकारी एमएसएमई मिनिस्ट्री ऑफ़ स्माल एंड माइक्रो मीडिया एंटरप्राइजेज ने अपने संस्थान के द्वारा आयोजित और प्रायोजित किए गए जाने वाले विभिन्न प्रकार के तकनीकी कोर्सेज जैसे डाई मशीन और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर जैसे रोजगार मूलक प्रशिक्षण कोर्स उपलब्ध है के बारे में विस्तार से जानकारी दी साथ ही उनके साथ आए अधिकारी श्री सुधीर ने कई तकनीकी कोर्सेज के बारे में विस्तार से विद्यार्थियों को जानकारी दी उन्होंने बताया कि कई कोर्सेज जो तकनीकी अध्ययन से संबंधित है उनके लिए किसी भी प्रकार की फीस नहीं ली जाती है छात्र निशुल्क प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं कुछ शाशुल्क प्रशिक्षण भी है जिनके बारे में जानकारी दी गई साथ उन्होंने बताया कि एसटी और एससी वर्ग के छात्रों के लिए इस संस्थान के द्वारा आयोजित किया जाने वाला प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्णता निशुल्क है।

विद्यार्थियों को करते हुए प्राचार्य तांडेकर **संबोधित डॉ के एल**

दैनिक
भास्कर दूत
नज़र हर ख़बर पर
दिल में छत्तीसगढ़
web- www. bhaskardoot.com
डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/68/2022-24
वर्ष-10 • अंक - 255 रायपुर से प्रकाशित • RNI-CHHHIN/2014/55697 • रायपुर, शुक्रवार 08 सितंबर 2023 • पृष्ठ-8 • मूल्य - 02 रुपये

दिग्विजय कालेज में उद्यमिता विकास पर व्याख्यान

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। दिग्विजय कालेज में प्राणी शास्त्री विभाग में रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में एक दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया किया गया। इस व्याख्यान में एमएसएमई के अधिकारी जी के मोहंती और श्री सुधीर विशेष रूप से आमंत्रित थे।

उदघाटन अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर के एल टांडेकर ने छात्रों को बताया कि वह इस प्रकार के स्किल्ड आधारित व्याख्यान, वर्कशॉप और कॉन्फ्रेंस होती है उसे उसमें जरूर शामिल हो ताकि भविष्य में सामान्य ग्रेजुएशन डिग्री के साथ-साथ उनके साथ एक किसी तकनीकी विषय पर जानकारी की डिग्री भी साथ में रहे, ताकि तकनीकी संस्थानों या किसी अन्य दूसरे संस्थानों में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में कोई कठिनाई ना हो कोई भी काम छोटा बड़ा नहीं होता हर काम का अपना-अपना महत्व होता है। इस बात को छात्र विशेष रूप से ध्यान रखें इसी अवसर पर जी के मोहंती अधिकारी एमएसएमई मिनिस्टर ऑफ़ स्माल एंड माइक्रो मीडिया एंटरप्राइजेज ने ने अपने संस्थान के द्वारा आयोजित और प्रायोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के तकनीकी कोर्सेज जैसे डाई, मशीन और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर जैसे रोजगार मूलक प्रशिक्षण कोर्स उपलब्ध है, के बारे में विस्तार से जानकारी दें। इसी क्रम में उनके साथ आए अधिकारी सुधीर ने भी कई तकनीकी कोर्सेज के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कई कोर्सेज जो तकनीकी अध्ययन से संबंधित है, उनके लिए किसी प्रकार की फीस नहीं है। छात्र बिना मुफ्त में प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं। कुछ पैड प्रशिक्षण भी थ, जिनके बारे में सुधीर ने विस्तार से जानकारी दी और उन्हें बताया कि एससी, एसटी वर्ग के छात्रों के लिए इस संस्थान के द्वारा आयोजित किया जाने वाला प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क है। छात्र-छात्राओं ने काफी उत्साह के साथ एक दिवसीय व्याख्यान ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए।

को प्राणी शास्त्री विभाग में रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में एक दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान में एमएसएमई के अधिकारी जी.के. मोहंती और सुधीर विशेष रूप से आमंत्रित रहे

इस व्याख्यान में एमएसएमई के अधिकारी जी.के. मोहंती और सुधीर विशेष रूप से आमंत्रित थे उदघाटन अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर के एल टांडेकर ने छात्रों को बताया कि वह इस प्रकार के स्किल्ड आधारित व्याख्यान, वर्कशॉप और कॉफ्रेंस होती है उसे उसमें जरूर शामिल हो ताकि भविष्य में सामान्य ग्रेजुएशन डिग्री के साथ-साथ उनके साथ एक किसी तकनीकी विषय पर जानकारी की डिग्री भी साथ में रहे ताकि तकनीकी संस्थानों या किसी अन्य दूसरे संस्थानों में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में कोई कठिनाई ना हो कोई भी काम छोटा बड़ा नहीं होता हर काम का अपना-अपना महत्व होता है इस बात को छात्र विशेष रूप से ध्यान रखें।

इसी अवसर पर जी के मोहंती अधिकारी एमएसएमई मिनिस्टर ऑफ़ स्माल एंड माइक्रो मीडिया एंटरप्राइजेज ने अपने संस्थान के द्वारा आयोजित और प्रायोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के तकनीकी कोर्सेज जैसे डाई, मशीन और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर जैसे रोजगार मूलक प्रशिक्षण कोर्स उपलब्ध है के बारे में विस्तार से जानकारी दें इसी क्रम में उनके साथ आए हुए अधिकारी श्री सुधीर ने भी कई तकनीकी कोर्सेज के बारे में जानकारी दी ... संबंधित है उनके लिए किसी प्रकार की फीस नहीं है छात्र बिना मुफ्त में प्रशिक्षण हासिल कर सकते हैं कुछ पैड प्रशिक्षण भी थे जिनके बारे में सुधीर जी ने विस्तार से जानकारी दी और उन्हें बताया कि एससी, एसटी वर्ग के छात्रों के लिए इस संस्थान के द्वारा आयोजित की जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम जो है वह पूर्णता निःशुल्क है छात्र-छात्राओं ने काफी उत्साह के साथ एक दिवसीय व्याख्या ने भाग लिया और इस प्रकार के जो व्याख्यान महाविद्यालय के रोजगार और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के द्वारा आयोजित किए जाते हैं उसकी प्रशंसा की और उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहने चाहिए ताकि छात्रों को रोजगार की संभावनाएं बनी रहे और छात्रों को भविष्य में रोजगार के काफी अवसर प्राप्त हो सके।

6. **"एक्वेरियम के निर्माण एवं रखरखाव" पर कार्यशाला:** दिनांक 17 एवं 18 अगस्त 2023 को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम मे MOU के तहत शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनाँदगांव , शासकीय कमला देवी राठी महाविद्यालय राजनाँदगांव, भिलाई महिला महाविद्यालय दुर्ग, W.W. पाटणकर कन्या महाविद्यालय दुर्ग को भी आमंत्रित किया गया। कार्यशाला का प्रारंभ करते हुए प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय द्वारा बच्चों में उद्यमिता विकास एवं कौशल विकास हेतु इस तरह के कार्यशाला का आयोजन आवश्यक रूप से किया जाना चाहिए जो शिक्षा उपरांत विद्यार्थियों के जीवन में रोजगार के सृजन के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे। विभागाध्यक्ष डॉ किरण लता दामले ने मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित श्री शेख यासीन ,मॉडर्न एक्वेरियम शॉप राजनांदगांव का परिचय देते हुए विद्यार्थियों को बताया कि औद्योगिक मत्स्य एवं मात्स्यिकी के अंतिम वर्ष के पाठ्यक्रम में एक्वेरियम से संबंधित पाठ्यक्रम है, साथ ही स्नातक के कौशल उन्नयन कोर्स मे भी एक्वेरियम से संबंधित जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में कौशल विकास करना है। विद्यार्थियों में लघु उद्यमिता विकास हेतु इस प्रकार के पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है ताकि विद्यार्थी लाभान्वित होकर भविष्य में स्वरोजगार प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री शेख यासीन ने कार्यशाला के प्रथम दिवस विद्यार्थियों को एक्वेरियम के अलग -अलग आकार, बनाने के लिए उपयोग होने वाले सिलिकॉन ग्लू का उपयोग करते हुए एक्वेरियम बनाकर दिखाया, तथा कार्यशाला के दूसरे दिवस एक्वेरियम में फिल्टर, हीटर, लाइट, आर्टिफिशियल स्टोन, एक्वेटिक प्लांट, एवं रंग बिरंगी मछलियां डालकर बच्चों को उसके रखरखाव एवं प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह बैठ कर सम्मानित किया गया। कार्यशाला का संचालन डॉक्टर माजिद अली एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री चिरंजीव पाण्डेय द्वारा किया गया।

श्री शेख यासीन

,मॉडर्न एक्वेरियम शॉप द्वारा एक्वेरियम बनाकर दिखाते हुए

7. स्वीप कार्यक्रम : दिनांक 24.08.23 को विभाग के विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम राजनंदगांव में आयोजित **PEEVS** कार्यक्रम में भाग लिया।

8. **कृत्रिम घोसला निर्माण का प्रशिक्षण देकर पक्षी संरक्षण हेतु किया प्रेरित:** प्राणीशास्त्र विभाग के स्नातकोत्तर पूर्व एवं अंतिम के विद्यार्थियों गत वर्षो की तरह भी इस वर्ष भी विभाग द्वारा चलाए जा रहे हैं विस्तार गतिविधि कार्यक्रम के अंतर्गत पक्षियों के कृत्रिम घोषला निर्माण का प्रशिक्षण स्कूली छात्रों को दिया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ठेलकडीह स्कूल के छात्र -छात्राओं को घर में रखी हुई व्यर्थ वस्तुओं जैसे नारियल का छिलन , जूट की रस्सी , पराली, पुराने प्लास्टिक के डब्बे , मिट्टी के मटके आदि जिसका उपयोग नहीं होता उन सब का प्रयोग करके स्थानीय पक्षियों के लिए कृत्रिम घोसला का निर्माण किया जा सकता है।डॉ मजिद अली ने बताया कि गौरैया समेत विभिन्न प्रकार की स्थानीय पक्षियों की घटती आबादी एक वैश्विक चिंता का विषय है हमारे द्वारा पूर्व में बनाई गई बहुत से कृत्रिम घोसला घोसलों का चयन गौरैया समेत कई प्रकार की पक्षियों द्वारा किया गया है।

विभाग के प्राध्यापक माजिद व्याख्यान

डॉ अली देते हुए

एम्.एस.सी. अंतिम वर्ष की छात्राए प्रशिक्षण देते हुए

9. **दंत परीक्षण शिविर का आयोजन:** दिनांक 9 सितंबर को शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ के एल तांडेकर के मार्गदर्शन में प्राणी शास्त्र विभाग के तत्वाधान में एवम गृह विज्ञान विभाग , एन सी सी, एन एस एस, रेड क्रॉस तथा रेड रिबन सोसायटी के सहयोग से दंत परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में नगर के प्रतिष्ठित दंत चिकित्सकों ने अपनी सेवाए दी डॉ केयुरा पारख़ ने अपने प्रेजेंटेशन के माध्यम से विद्यार्थियों एवम स्टाफ के समक्ष दांतो से संबंधित समस्याओं तथा उनसे बचाव की जानकारी दी डॉक्टर केयूरा पारख वर्तमान में छत्तीसगढ़ डेंटल कॉलेज राजनांदगांव में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं डॉ नितेश जैन ने दांतो के रोगों और उनके इलाज एवं इलाज से संबंधित भ्रांतियां पर छात्र छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर दिए- डॉक्टर रोमा चौहान एवम डॉ जान्हवी थिसके द्वारा दांतो के रोगों एवम उचित चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी दी गई इस शिविर में लगभग 300 छात्र छात्राओं एवम महाविद्यालय स्टाफ द्वारा दंत परीक्षण कराया गया।

दिग्विजय कॉलेज में दंत परीक्षण शिविर आयोजित

राजनांदगांव (दावा)। दिनांक

विभागाध्यक्ष डॉ किरण लता दामले एवं प्राध्यापक जी एस भाटिया स्मृति चिन्ह प्राप्त करते हुए

10. **स्वक्षता अभियान** : दिनांक 02 अक्टूबर 2023 को विभाग के समस्त प्राध्यापको ,प्रयोगशाला तकनीशियन–परिचारक एवं स्नातकोत्तर के समस्त विद्यार्थियों द्वारा विभाग की साफ़ सफाई की गई।

11. विश्व प्रयोगशाला दिवस के दिन विभाग के प्राध्यापक को प्रयोगशाला तकनीशियन परिचायक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों द्वारा प्रयोगशाला के विभिन्न प्रकार के उपकरणों स्पेसिमेन आदि के साफ सफाई की जाती हैं।

मुजियम स्पेसिमेन की सफाई करते विद्यार्थी

12. **प्राणिशास्त्र के विद्यार्थियों ने किया प्रवासी पक्षियों का अवलोकन** दिनांक 12 नवम्बर 2023 को विभाग के स्नातकोत्तर पूर्व एवं अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय पक्षी दिवस के अवसर पर रूसे जलाशय पहुँचे। जहाँ प्रवासी उन्होंने प्रवासी एवं स्थानीय पक्षियों का अवलोकन कर फोटोग्राफी की। ज्ञात हो की रूसी जलाशय गत वर्षो से प्रवासी पक्षियों के आगमन के लिए जाना जाता है। संस्था के प्राध्यापक श्री गुरप्रीत सिंह भाटिया ने विद्यार्थियों को राजनांदगांव क्षेत्र में आने वाले प्रवासी पक्षियों के बारे में विविध प्रकार की जानकारियां दी।

प्रवासी पक्षियों का अवलोकन करते विद्यार्थी

13. **विस्तार गतिविधि के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 जागरूकता अभियान :** दिनांक 01 दिसंबर 2023 को महाविद्यालय विस्तार गतिविधि के अंतर्गत नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की जागरूकता एवं विद्यार्थियों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रति रुचि जागृत करने समेत महाविद्यालय में अध्ययन पूर्व विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराने के उद्देश्य से प्राणी शास्त्र विभाग के प्राध्यापक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ठेलकडीह स्कूल पहुंचे।जहाँ संस्था के वरिष्ठ प्राध्यापाक डॉ संजय ठिसके ने NEP 2020 के बारे मे संक्षिप्त मे बताते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात सहायक प्राध्यापक श्री चिरंजीव पाण्डेय द्वारा कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को नई राष्ट्रीय उच्च शिक्षा नीति)5+3+3+4) के बहुविषयक पाठ्यक्रम , कौशल युक्त व्यवसायिक शिक्षा की जानकारी दी। NEP के तहत बहुविषयक चयन आधारित 4 वर्षीय स्नातक कोर्स में लागू हुई क्रेडिट प्रणाली , एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट एवं DSC, DSE, SEC, GE, AECC,VAC जैसे विषय समूह के बारे में भी विद्यार्थियों को विस्तार से समझाया।

विस्तार गतिविधि के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति2020 जागरूकता अभियान

संस्था प्रमुख कॉलेज की टीम को प्रशस्ति पत्र देते हुए

NEP की जानकारी साझा करते हुए डॉ माजिद अली

14. "वैज्ञानिक अनुसंधान में इंस्ट्रुमेंटेशन और विश्लेषणात्मक तकनीकें " विषय पर कार्यशाला : प्राणीशास्त्र विभाग एवं विज्ञान क्लब शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनंदगांव छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में "Instrumentation and Analytical techniques in Scientific Research" विषय पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला कम फैकेल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन हाइब्रिड मोड में दिनांक 24 जनवरी 2024 से 31 जनवरी 2024 तक किया गया। जिसका उद्देश्य महाविद्यालय प्राध्यापको , शोधार्थीयो, विद्यार्थियों समेत कार्यरत प्रयोगशाला टेक्नीशियन , प्रयोगशाला सहायक प्रयोगशाला में आए दिन प्रयोग होने वाले उपकरणों के संचालन एवं रखरखाव हेतु जागरूक करना था। मुख्य अतिथि डॉ एस के जाधव sos बायोटेक्नोलॉजी पंडित रवि शंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी रायपुर छत्तीसगढ़, डॉ के साहू.के.sos बायोटेक्नोलॉजी पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी रायपुर छत्तीसगढ़ उपस्थित रहे। प्रोफेसर शैलेश कुमार यादव ने कहा कि सर्वप्रथम प्रयोगशाला की सावधानी के बारे में जानना

अति आवश्यक है उपकरणों के प्रयोग के पहले उनका नाम उनके पाठ कंपनी का नाम कार्य प्रणाली रखरखाव आदि की जानकारी होना ज्यादा आवश्यक है। उपकरण चाहे छोटा हो या बाद आपको ऑपरेट करने का सही तरीका पता होना चाहिए सभी उपकरणों का मानकीकरण सही होना चाहिए नहीं तो रीडिंग कभी सही नहीं आएगी। प्रयोगशाला में कुछ सावधानियां रखने से दुर्घटनाओं से भी बचा जा सकता है साइंटिफिक रिसर्च करना ह्यूमैनिटी रिसर्च के मुकाबले सरल होता है। आज हम टेक्नोलॉजी के स्वर्ग एवं पर्यावरण के नर्क में है। की नोट स्पीकर डॉक्टर केशव कांत साहू विभाग अध्यक्ष बायोटेक्नोलॉजी विभाग पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर ने पवन प्राइड प्रेजेंटेशन के माध्यम से इलेक्ट्रोफॉरेसिस के मूल सिद्धांत डीएनए आरएनए और प्रोटीन आइसोलेशन करने की विधि और मॉलिक्यूल के पृथक्करण करने की विधि को रोचक तरीके से विद्यार्थियों को समझाया । मुख्य वक्ता डॉ सोनम मिश्रा शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव द्वारा विद्यार्थियों को टिश्यू कल्चर पर विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को हाइब्रिड सीड प्लांट प्लांट प्रोपेगेशन टेक्निक्स आदि के बारे में भी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से समझाया गया। मुख्य वक्ताश्री गोकुल राम निषाद गवर्नमेंट नवीन कॉलेज भैरमगढ़ बीजापुर छत्तीसगढ़ द्वारा एटॉमिक अब्जॉर्प्शन स्पेक्ट्रोस्कॉपी पर व्याख्यान दिया उन्होंने इस उपकरण के सिद्धांत कार्य करने की विधि एवं संचालन के साथ इसके अनुप्रयोग के बारे में विद्यार्थियों को बताया तत्पश्चात महाविद्यालय के केंद्रीय प्रयोगशाला में रखें एटॉमिक अब्जॉर्प्शन स्पेक्ट्रोस्कॉपी जो सिस्ट्रॉनिक्स कंपनी का है इसका संचालन कर विद्यार्थियों को प्रदर्शित किया और विद्यार्थियों को उसे उपकरण के प्रयोग करने का तरीका सिखाया। कार्यक्रम के तृतीय दिवस मुख्य वक्ता डॉ . अशीष झा हिस्लॉप कॉलेज नागपुर महाराष्ट्र द्वारा विद्यार्थियों को प्रेजेंटेशन के माध्यम से पीएच मीटर , कॉलोरी मीटर , कंडक्टिविटी मीटर और DO मीटर के कार्य प्रणाली सिद्धांत एवं उन उपकरणों के रखरखाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। डॉक्टर एल पी नागपुरकर मनोहर भाई पटेल कॉलेज आफ आर्ट्स कमर्स एंड साइंस साकोली महाराष्ट्र द्वारा विद्यार्थियों को प्रेजेंटेशन के माध्यम से डबल बिन यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर के प्रकार उपकरण के सिद्धांत एवं कार्य प्रणाली अनुप्रयोग रखरखाव एवं मानकीकरण बारे में विस्तार से समझाया गया। मुख्य वक्ता डॉ शुभम आमलेकर धोटे बंधु साइंस कॉलेज गोंदिया महाराष्ट्र द्वारा फ्लेम फोटोमीटर के कार्यप्रणाली सिद्धांत प्रयोग अनुप्रयोग रखरखाव के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से समझाया गया। मुख्य वक्ता डॉक्टर च रॉबिंसन बिट कॉलेज भिलाई दुर्ग छत्तीसगढ़ द्वारा लैब सेफ्टी मेजरस एंड मेंटेनेंस ऑफ लैब इंस्ट्रूमेंट विषय पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया की प्रयोगशाला में उपलब्ध उपकरण ऑन के मैनुएल्स उनके रखरखाव और उनकी साफ सफाई सुनिश्चित करना भी उनके प्रयोग जितना ही आवश्यक होता है प्रयोगशाला में रखें महंगे से महंगे उपकरण भी बिना सही रख रखा हो और मेंटेनेंस के खराब हो जाते हैं। साथ में प्रयोगशाला में कार्य करने के साथ सुरक्षा उपकरणों जैसे अग्निशमन एग्जास्ट आदि की आवश्यकता भी उपकरणों जितनी ही जरूरी होती है। संस्था के प्राचार्य डॉक्टर के एल टांडेकर ने विद्यार्थियों को कार्यशाला के से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे और जवाब देने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार स्वरूप नोटबुक प्रदान किया गया। साथ ही उन्होंने बताया कि इस प्रकार की

कार्यशाला जिसमें उपकरणों के रखरखाव व उपयोग संबंधित व्याख्यान के साथ उन उपकरणों को प्रयोग करने हेतु विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष उसका प्रयोग करके दिखाया गया क्यों विद्यार्थियों शोधार्थियों के लिए काफी लाभप्रद रहा साथ ही महाविद्यालय के तकनीशियन और प्रयोगशाला सहायको को भी इसका लाभ मिला होगा। ।

मुख्य
डॉ एस के
पंडित रवि

अतिथि
जाधव,
शंकर

शुक्ल यूनिवर्सिटी रायपुर

डॉ.
हिस्लॉप
नागपुर

अशीष झा
कॉलेज
महाराष्ट्र

द्वारा

07 दिवसीयकार्यशाला का समापन दिवस

15. **गौरैया दिवस पर कृत्रिम घोसला निर्माण कर दिया पक्षी संरक्षण का संदेश :** दिनांक 12 मार्च 2023 को अंतरराष्ट्रीय गौरैया दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुएविभागाध्यक्ष डॉ . किरण लता दामले ने बताया कि विभाग द्वारा पिछले 04 वर्षों से प्रतिवर्ष गौरैया दिवस पर कृत्रिम घोसला निर्माण का प्रशिक्षण समेत निर्माण कर महाविद्यालय समेत आसपास के क्षेत्र में इन कृत्रिम घोसलों को लगाकर लोगों को पक्षियों के संरक्षण हेतु प्रेरित करने का कार्य किया जा रहा है। कुछ कृत्रिम घोंसलो को गौरैया जैसे पक्षियों ने अपना आशियाना भी बनाया है जो एक सकारात्मक प्रतिक्रिया है। तत्पश्चात प्राचार्य ने अपने उद्बोधन मे कहा कि आज हमारे आंगन में दिखने वाली – चह चहाने वाली गौरैया कम होती जा रही है गौरैया समेत विभिन्न पक्षियों के प्रजातिय जो हम बचपन में देखा करते अब आसानी से दिखाई भी नहीं देती है , गौरैया समेत विभिन्न पक्षियों का संरक्षण हमारे प्रकृति के संरक्षण के लिए बहुत आवश्यक है क्योंकि ये पक्षियाँ प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न पेड़ पौधों के बीजों का प्रकीर्णन करते हैं और साथ में उन्हें अंकुरण के योग्य बनाते हैं। विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ . संजय ठिसके ने बताया कि कृत्रिम घोसला निर्माण की प्रक्रिया काफी सरल है और हम घरेलू स्तर पर इस प्रकार के कार्य कर पक्षियों के संरक्षण में अपना योगदान दे सकते हैं। सहायक प्रध्यापक डॉ माजिद अली ने बताया कि कुछ पक्षीया घोंसला बनाती है और कुछ नहीं भी बनाती है , घोसला निर्माण की प्रक्रिया उनके प्रजनन ऋतु पर निर्भर करती है , घर के आस–पास सामान्यतः दिखने वाले पक्षियों की अनुपस्थिति का एक प्रमुख कारण उनके घोसला निर्माण में प्रयुक्त होने वाली वस्तुओं की कमी भी है ,बढ़ता शहरीकरण घोसला निर्माण के लिए लगने वाली घास ,फूस,तिनके,टहनी,पराली समेत छोटी झाड़ी–पेड़ अब कम हो गए है। सहायक प्रध्यापाक श्री चिरंजीव पाण्डेय ने बताया कि सिर्फ कृत्रिम घोंसला बना देने से पक्षियां से प्रयोग करेंगे ऐसा बिल्कुल भी नहीं होता कुछ पक्षियाँ छोड़े हुए घोसलों या मटका ,डब्बा, पुराने गत्ते,पराली, जूट आदि से बने कृत्रिम घोसलो के रूप में अपनाएंगे या नहीं यह उनकी चयन की प्रक्रिया पर निर्भर करता है जो काफी जटिल होती है। फिर भी हमने देखा है कि गौरैया सहज रूप से हमारे बहुत से कृत्रिम घोसलों का चयन करती है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि एवं विभाग के पूर्व छात्र प्रकृति मितान थान सिंह साहू ने सर्वप्रथम विभाग में कृत्रिम घोसला निर्माण की प्रक्रिया में पहल की और अपने स्वयं के प्रयोग को विभाग के अन्य सहपाठियों को भी सिखाया और इसे विस्तार गति के माध्यम से जन जागरूकता कार्यक्रम बनाया जिससे गौरैया समेत अन्य पक्षियों के संरक्षण के लिए लोगों को प्रेरित किया जा सके। घर में बहुत सी अनुपयोगी वस्तुएं होती हैं जिनका प्रयोग करके हम अपने आसपास की पक्षियों के लिए कृत्रिम घोंसला निर्माण कर सकते हैं। वैसे तो प्राकृतिक रूप से निर्मित होने वाले घोसले ज्यादा बेहतर होते हैं परंतु वर्तमान परिस्थितियों को देखकर उनके संरक्षण हेतु हमें इस प्रकार के प्रयास करने की भी आवश्यकता है। बहुत सी पक्षीयाँ है जो शहरों में रहने के अनुकूल हो चुकी है इस स्थिति में हम उन्हें कृत्रिम घोंसला प्रदान कर उनका संरक्षण शहरी क्षेत्र में भी कर सकते हैं। कृत्रिम घोसला निर्माण के साथ उन्हें लगाने के तरीके भी बहुत महत्वपूर्ण होते हैं सही स्थान पर और सही तरीके से लगाए गए घोसलों का चयन ही करती है। साथ ही उन्हें भोजन और जल आदि उपलब्ध कराके हम उन्हें उन निवास स्थान में रहने हेतु आकर्षित भी कर सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय गौरैया दिवस

शैक्षणिक भ्रमण :

1. **विद्यार्थियों ने सीखा रोहू –कतला का प्रेरित प्रजनन :** दिनांक 24.07.23 को विभाग के स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र मत्स्य बीज उत्पादन एवं संवर्धन केंद्र को कपुर विकासखंड डोंगरगांव जिला राजनांदगांव का अवलोकन कर प्रशिक्षण प्राप्त किया। जहां मत्स्य निरीक्षक श्री संदीप कुमार साहू ने विद्यार्थियों को उनके पाठ्यक्रम में सम्मिलित प्रेरित मत्स्य प्रजनन बीज संवर्धन एवं उत्पादन पर विस्तार से व्याख्यान दिया और बताया कि यहां रोहू –कतला एवं मृगल मछलियों के बीज उत्पादन के लिए प्रेरित जनन कर वृहद मात्रा में मत्स्य बीज का उत्पादन किया जाता है एवं यहां से शासकीय दर पर मत्स्य बीज वितरण भी किया जाता है। उन्होंने पहले मत प्रेरित मत भेज उत्पादन पर व्याख्यान दिया तत्पश्चात विद्यार्थियों को ब्रीडिंग यूनिट में ले जाकर प्रायोगिक रूप से इकाई में चल रही प्रजनन प्रक्रिया को समझाया। ब्रूडर टैंक , स्पाउनिंग, सीड हैचिंग, स्पाउनिंग की क्रिया को दिखाया।

विद्यार्थियों से चर्चा करते मत्स्य निरीक्षक श्री संदीप कुमार साहू

शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र मत्स्य बीज उत्पादन एवं संवर्धन केंद्र

कोकपुर (डोंगरगांव)

2. **तौरंगा जलाशय जिला गरियाबंद का भ्रमण** दिनांक 23 अगस्त 2023 को औद्योगिक मत्स्य एवं मात्स्यिकी स्नातक के विद्यार्थियों द्वारा तौरंगा जलाशय जिला गरियाबंद का भ्रमण किया गया जहां उन्होंने मछली पालन की नवीन

तकनीक केज कल्चर कर का अवलोकन कर प्रशिक्षण प्राप्त किया जलाशय के प्रबंधक ने जलाशय के खेत में मछली पालन के बारे में विस्तार से बताया साथ ही केज कल्चर की उपयोगिता से हो रही उत्पादन में वृद्धि के बारे में विस्तार पूर्वक बताएं। साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य शासन द्वारा केज कल्चर प्रारंभ करने के लिए दी जा रही योजनाओं सब्सिडी एवं उद्यमिता विकास करने की योजनाओं के बारे में भी विद्यार्थियों को बताया।

शैक्षणिक भ्रमण को जाते हुए विद्यार्थी

तौरेंगा स्थित केज कल्चर इकाई जिला गरियाबंद

3. ***विद्यार्थियों ने देखा जंगल सफारी*** **:** प्राणीशास्त्र स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों द्वारा शैक्षणिक भ्रमण हेतु नया रायपुर अटल नगर स्थित जंगल सफारी मे जू एवं सफारी का भ्रमण किया गया। पाठ्यक्रम के अनुरूप विद्यार्थियों को नजदीकी जू में मौजूद जीवो की जानकारी एकत्र कर उसका प्रोजेक्ट बनाना है। जंगल सफारी में विद्यार्थियों ने सफेद बाघ एशियाई सिंह , भारतीय तेंदुआ, रॉयल बंगाल टाइगर, भालू, लकड़बग्घा, सियार ,भेड़िया ,जंगली कुत्ता (ढोल) , लोमड़ी, गौर, वन भैंसा, वन भैंसा प्रजनन एवं संरक्षण केंद्र, सांभर ,चीतल ,नीलगाय, चिकारा, पिसूरी,कृष्ण मृग ,काकड़ ,काला मुरुक बिलाव ,ऊदबिलाव ,साही ,नेवला, पैंगोलिन, तितली उद्यान , बंदरों की विभिन्न प्रजातियां , पक्षी उद्यान , दरियाई घोड़ा, घड़ियाल, मगरमच्छ, गोह, कछुआ एवं सर्प पार्क का अवलोकन किया।

जंगल सफारी मे जू एवं सफारी का भ्रमण

विभागीय शोध कार्य गतिविधयां :- शोध के क्षेत्र में भी विभाग की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही हेमचंद यादव वि.वि. दुर्ग द्वारा डॉ.संजय ठिसके एवं डॉ. माजिद अली को शोध निर्देशक के रूप में अनुमोदित किया गया । विभाग में इसी सत्र में ही RAC (DRC) समिति की बैठक के बाद शोध केंद्र भी बन चूका है । जिसमे कुल 03 शोधार्थी पंजीकृत हुए है।

RAC (DRC) समिति की बैठक

मूल्यांकन विधि एवं सुधार :- विधार्थियों के प्रदर्शन में सुधार लाने के लिये विभागीय प्राध्यापकों के द्वारा निम्न प्रयास किये जाते है । आन्तरिक मूल्यांकन त्रेमासिक ,अर्धवार्षिक ,एवं वार्षिक परीक्षा में जिन छात्रों का मूल्यांकन कम है उनका टेस्ट लेकर मूल्यांकन में सुधार किया जाता है ।

शोध प्रकाशन एवं अन्य प्रकाशन :-

प्राध्यापको के नाम	स्तर	सेवा में आने से लेकर अब तक अंतराष्ट्रीय / राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय सेमीनार/ FDP/बुकचैप्टर की संख्या	प्रकशित शोध पत्रों की कुल संख्या	पढ़े गए किन्तु प्रकाशित नही हुए शोध पत्रों की संख्या	सत्र 2023-24 में पढ़े गए/प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	
					प्रकाशित	पढ़े गए/ संख्या
1. डॉ किरण लता दामले	अंतराष्ट्रीय	13	07	06	04	03
	राष्ट्रीय	38	-	-	-	-
	कार्यशाला	06	-	-	-	-
	FDP	08	-	-	-	-
	बुक/बुकचैप्टर	02	-	-	-	-
2. डॉ संजय ठिसके	अंतराष्ट्रीय	03	03	-	-	01
	राष्ट्रीय	08	08	03	00	01
	कार्यशाला	23	-	-	-	-
	FDP	-	-	-	-	-
	बुक/बुकचैप्टर	-	-	-	-	-
3. डॉ माजिद अली	अंतराष्ट्रीय	04	04	70	04	-
	राष्ट्रीय	01	01	17	01	-
	कार्यशाला	11	-.	-	-	-
	FDP	12	-	-	-	-
	बुक/बुकचैप्टर	-	-	-	-	-
4. श्री गुरप्रीत सिंह् भाटिया	अंतराष्ट्रीय	03	-	02	-	01
	राष्ट्रीय	02	-	01	-	3
	कार्यशाला	05	-	-	-	-
	FDP	02	-	-		-
	बुक/बुकचैप्टर	01	-	-	-	-
5. श्री चिरंजीव पाण्डेय	अंतराष्ट्रीय	03	-	02	-	01

	राष्ट्रीय	02	-	01	-	3
	कार्यशाला	06	-	-	-	03
	FDP	06	-	-	-	-
	बुक/बुकचैप्टर	04	-	-	-	-
6. श्रीमती करुणा रावटे	अंतरराष्ट्रीय	04	02	02	-	01
	राष्ट्रीय	05	03	01	03	02
	कार्यशाला	06	-	-	-	-
	FDP	06	-	-	-	-
	बुक/बुकचैप्टर	02	-	-	-	-

प्राध्यापको की योग्यता एवं उपलब्धियां:

No.	Name	Qualification	Achievements
1	डॉ किरण लता दामले	M.Sc. , Ph.D	• विभागाध्यक्ष – प्राणीशास्त्र , गृहविभाग विभाग • स्वशासी परीक्षा प्रकोष्ठ नियंत्रक • BOS सदस्य, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग • सदस्य, अनुशासन समिति • संयोजक , 07 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला • सहायक सूचना अधिकारी • सदस्य, जनभागीदारी वित्तीय समिति • 02 दिवसीय अंर्तराष्ट्रिय कांफ्रेस (6th **IYSC, Dehradun Session Chairperson**) • सदस्य – सलाहकार समिति 02 दिवसीय अंर्तराष्ट्रीय संगोष्ठी
2	डॉ संजय ठिसके	M.Sc. Ph.D	• संयोजक, IQAC • संयोजक, रोजगार मार्गदर्शन एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ • संयोजक, PMUSHA • बेस्ट N-List यूजर अवार्ड 2023-24
3	डॉ माजिद अली	M.Sc. Ph.D	• मुख्यमंत्री कौशलविकास (MMSVY), संयोजक • Member of Zoological Society of Chhattisgarh An unit of ZSI (ESI-2013) Registered under society Registration Act 1979 (No. 44,1979); Regd. no. 4110, C.G. State India • सदस्य, IQAC • Organizing Secretary Science Club • Organizing Secretary Eco Club • Member of Alumni Committee • 'Best Performance Award' in state level "Youth Spark" Program received from honorable Chief Minister on Swami Vivekanand Jayanti 12-01-2018 for year 2017-18. • 'Best Performance Award' in state level "Shining Youth" Program received from honorable Chief Minister on Gandhi Jayanti 02-10-2018 for year 2018- 19. • 'Best Motivational Video' on Teachers

			Day 05 sep. 2020 by Govt. Hemchand Yadav university, Durg (C.G.)
4	श्री गुरप्रीत सिंह भाटिया	M.Sc., NET	• सदस्य, QAC
5	श्री चिरंजीव पाण्डेय	M.Sc. SET,	• सदस्य, QAC • सदस्य, NIRF • सदस्य, Science Club • सदस्य, रोजगार मार्गदर्शन एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ
6	श्रीमती करुणा रावटे	M.Sc. SET	• NSS प्रभारी • सदस्य, सांस्कृतिक गतिविधि समिति • सदस्य महिला प्रकोष्ठ • सदस्य, स्वच्छता समिति

- **अधोसंरचना संसाधन :-** विभाग के विधार्थीयो की ई -क्लास , स्मार्ट क्लास, ऑडियो विज्युअल तथा इंटरैक्टिव बोर्ड द्वारा कक्षाए ली जाती है । विभाग में पूर्ण सुविधायुक्त डिग्री लैब तथा पी.जी. क्लास के साथ लैब, एक स्टाफ रूम, स्टोररूम सेमिनार हॉल व टेकनीशियन कक्ष है ।
- **महाविद्यायालय द्वारा दी गयी सुविधाओ का रख रखाव** :- प्रतिवर्ष विभाग के सभी उपकरणों, रसायनों, मयूजियम स्पेसिमेन, स्लाइड्स आदि का भौतिक सत्यापन किया जाता है।
- **मार्गदर्शन एवं सर्वश्रेष्ठ प्रणालियाँ –**
    - विभागाध्यक्ष डॉ किरण लता दामले द्वारा विद्यार्थियों को परीक्षा एवं NEP के नए पाठ्यक्रम सम्बन्धी जानकारियां दी जाती है।
    - डॉ माजिद अली एवं चिरंजीव पाण्डेय द्वारा मत्स्य पालन एवं मछलियों में होने वाले रोगों की जानकारी दी जाती है ।
    - डॉ. संजय ठिसके, डॉ माजिद अली एवं चिरंजीव पाण्डेय द्वारा मृदा एवं जल विशलेषण की जानकारी दी जाती है ।
    - डॉ. संजय ठिसके , श्री गुरप्रीत सिंह भाटिया , चिरंजीव पाण्डेय द्वारा विद्यार्थियों को रोजगार मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के माध्यम से रोजगार मार्गदर्शन एवं प्लेसमेंट के क्षेत्र में योगदान दिया जा रहा है।
    - श्रीमती करुणा रावटे दद्वारा NSS प्रभारी के रूप में विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण तथा व्यक्तित्व निर्माण में योगदान दिया जा रहा है।
    - विभाग के स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों द्वारा वाल मैगजीन बनाया जाता है।